राग -यमन

स्वर -म तीव्र .

वर्ज्य स्वर -आरोहात प (पंचम)

वादी स्वर-ग (गंधार)

संवादी स्वर -नी (निषाद)

गानसमय -रात्रीचा प्रथम प्रहर

आरोह -नी रे ग म ध नी सां

अवरोह -सां नी ध प म ग रे सा

पकड -नी रे ग ,प रे म रे ग सा

बंदीश - स्थाई

एरी आली पियाबीन ,सखी कलना परत मोहे,

घरिपल छीनदिन

अंतरा

जब से पिया परदेस गवन किन्हो

रतिया कटत मोहे ,तारे गिनगिन

ताल -तीनताल (द्रुत)